Programme Specific Outcomes	**B.A. Sanskrit (U.G)**
	PSO1– विषय के तथ्यपूर्ण ज्ञान के साथ तार्किक–चिन्तन का विकास। **PSO2–** संस्कृत में वर्णित प्राचीन वैज्ञानिक विधियों का ज्ञान एवं उनसे वर्तमान में लाभान्वित होना। **PSO3–** काव्य–शास्त्र, छन्दों तथा अलंकारों के शास्त्रीय पक्षों के ज्ञान द्वारा विद्यार्थियों में साहित्यगत प्रयोगों की समझ को विकसित करना। **PSO4–** संस्कृत भाषा के शुद्ध एवं वैज्ञानिक रूप के ज्ञान के लिए I.C.N.C. Tall (Information Communication Neuro Cognitive Technologies Assisted Language Lab) का प्रयोग तथा सम्भाषण (संस्कृत से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से संस्कृत) द्वारा संवाद क्षमता विकसित करना। **PSO5–** संस्कृत साहित्य के अध्ययन के साथ कार्यानुभव (Work Experience) पाठ्यक्रम जैसे संस्कृत प्रूफरीडिंग, संगणक प्रयोग आदि से छात्र को आत्म–निर्भर बनाने का प्रयास। **PSO6–** धर्मशास्त्र, नीतिशास्त्र एवं आचार–शास्त्र के अध्ययन के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों में आदर्श नागरिक के गुण विकसित करना तथा परिवार, समाज एवं राष्ट्र सेवा का भाव विकसित करना।
Course Outcomes	**Course – S.T.H. 101 साहित्यतेतिहास : नाटक और निबन्ध** **CO1** – नाटक के छोटे–छोटे संवादों के माध्यम से प्रारम्भिक स्तर के छात्रों का संस्कृत से परिचय तथा संस्कृत में रूचि उत्पन्न करना। **CO2** – निबन्ध के माध्यम से सरल संस्कृत में मौलिक रचना–धर्मिता का विकास करना।
	Course – S.T.H. 102 गद्य, पद्य व्याकरण और अनुवाद **CO1** – हितोपदेश की कथाओं द्वारा विद्यार्थियों को व्यावहारिक शिक्षा का ज्ञान। **CO2** – गीता के शिक्षाप्रद श्लोकों द्वारा विद्यार्थियों में कर्म, ज्ञान एवं भक्ति के संस्कारों का विकास। **CO3** – व्याकरण के सन्धि विषय द्वारा विद्यार्थियों में नवीन शब्दों की संरचना को विकसित करना।
	Course – S.T.W. 101 Applied Sanskrit (प्रयुक्त संस्कृत) **CO1** – संस्कृत भाषा सम्बन्धी व्यावहारिक शब्दों का ज्ञान एवं प्रायौगिक क्षमता का विकास। **CO2** – वाक् कौशल का विकास
	Course – S.T.M. 101 कथा साहित्य एवं व्याकरण **CO1** – संस्कृत गद्य की सूक्ष्मताओं एवं विविध प्रयोगों से परिचय। **CO2** – तत्कालीन संस्कृति एवं समाज का ज्ञान। **CO3** – व्याकरण के संज्ञा–प्रकरण, वाच्य–परिवर्तन शब्द एवं धातु रूपों के ज्ञान द्वारा संस्कृत भाषा–नैपुण्य का विकास।
	Course – S.T.M. 102 कथा साहित्य एवं व्याकरण **CO1** – कथा साहित्य के उद्भव एवं विकास की परम्परा को बताते हुए पंचतन्त्र की कथाओं द्वारा विद्यार्थियों में नैतिक विकास।

	CO2 – व्याकरणगत सन्धि विषय द्वारा विद्यार्थियों में नवीन–शब्द संरचना का विकास।
	Course – S.T.M. 103 परिसंवाद एवं संगोष्ठी **CO1** – विषय–लेखन की सामर्थ्य विकसित करना। **CO2** – विषय–प्रस्तुतीकरण क्षमता विकसित करना।
	Course – S.T.M. 104 Tutorials (वाग्व्यवहार) **CO1** – उच्चारणदोष निवारण **CO2** – मन्त्रोच्चारण, ईश, गुरु आदि वन्दनाओं एवं आदर्श–वाक्यों के अभ्यास से संस्कार पुष्ट करना।
	Course – S.T.W. 201 Applied Sanskrit (प्रयुक्त संस्कृत) **CO1** – **I.C.N.C. Tall** में कम्प्यूटर की सहायता से सम्भाषण का अभ्यास। **CO2** – संस्कृत शिविरों में सम्भाषण का अभ्यास कराते हुए संवाद योग्यता का विकास। **CO3** – संगणक प्रयोग से लाभान्वित होना।
	Course – S.T.M. 201 महाकाव्य एवं व्याकरण **CO1** – युवापीढ़ी का महाकाव्यगत संस्कृति से परिचय एवं नैतिक मूल्यों का विकास। **CO2** – कारक प्रयोग एवं अनुवाद द्वारा रचना–धर्मिता का विकास।
	Course – S.T.M. 202 आधुनिक संस्कृत साहित्य एवं अलंकार **CO1** – संस्कृत भाषा की आधुनिकता एवं संरचना का ज्ञान। **CO2** – विद्यार्थियों में अलंकारों के साहित्यिक प्रयोगों की क्षमता का विकास।
	Course – S.T.M. 203 परिसंवाद एवं संगोष्ठी **CO1** – विषय–लेखन हेतु पुस्तकालय प्रयोग की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन। **CO2** – विषय–प्रस्तुतीकरण द्वारा आत्म–विश्वास को बढ़ावा देना।
	Course – S.T.M. 204 वाग्व्यवहार **CO1** – संस्कृत सम्भाषण में शब्दावली प्रयोग से छात्रों के शब्दकोश की वृद्धि। **CO2** – सूक्ति, लोकोक्ति आदि के ज्ञान से नैतिकता एवं जीवन–मूल्यों का विकास।
	Course – S.T.M. 301 नाटक, नाट्य तत्त्व एवं छन्दोज्ञान **CO1** – नाटकों के अध्ययन द्वारा तत्कालीन संस्कृति से लाभान्वित होना। **CO2** – नाटकीय तत्त्वों के शास्त्रीय पक्षों के ज्ञान द्वारा साहित्यगत प्रयोगों की क्षमता को विकसित करना। **CO3** – छन्द–ज्ञान द्वारा काव्य–रचना कौशल का विकास।
	Course – S.T.M. 302 ऐतिहासिक महाकाव्य एवं व्याकरण **CO1** – काव्य एवं इतिहास के समन्वय एवं संस्कृति का ज्ञान। **CO2** – समास युक्त पदों के प्रयोग द्वारा अनुवाद कौशल का विस्तार।

	Course – S.T.M. 303 गीतिकाव्य एवं व्याकरण **CO1** – जीवन मूल्यों का विकास। **CO2** – कृदन्त प्रत्ययों के माध्यम से सरल शब्द–रचना का ज्ञान।
	Course – S.T.M. 304 परिसंवाद एवं संगोष्ठी **CO1** – विषय लेखन हेतु पुस्तकालय, इंटरनेट आदि के प्रयोग की सामर्थ्य को बढ़ावा देना। **CO2** – विषय प्रस्तुतीकरण हेतु बौद्धिक–क्षमता का विकास।
	Course – S.T.M. 305 Tutorials (वाग्व्यवहार) **CO1** – संस्कृत में कथा, संवाद आदि के वाचन का अभ्यास। **CO2** – संस्कृत में कथा, संवाद आदि के लेखन का अभ्यास।
	Course – S.T.M. 401 वेद एवं वेदांग **CO1** – मन्त्रोच्चारण द्वारा शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक विकास के साथ वातावरण में सकारात्मक प्रभाव को उत्पन्न करना। **CO2** – भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर वेदों के द्वारा विश्व–शान्ति एवं समत्व का सन्देश देना। **CO3** – वेदांगों द्वारा विद्यार्थियों को वैदिक संस्कृत के शुद्ध रूप का ज्ञान कराना।
	Course – S.T.M. 402 रामायण, महाभारत एवं पुराण **CO1** – रामायण, महाभारत एवं पुराणों के अध्ययन द्वारा आर्ष संस्कृति का ज्ञान करना। **CO2** – मानवीय आदर्शों एवं मानवाधिकारों की रक्षा। **CO3** – कर्त्तव्य पालन की चिरन्तन संस्कृति को प्रोत्साहन।
	Course – S.T.M. 403 व्याकरण, अनुवाद एवं रचना **CO1** – व्याकरण के व्युत्पत्तिपरक ज्ञान द्वारा संस्कृत के शुद्ध रूप का ज्ञान एवं प्रयोग दक्षता **CO2** – शब्दकोश की वृद्धि। **CO3** – रचनाधर्मिता का विकास।
	Course – S.T.M. 404 परिसंवाद एवं संगोष्ठी **CO1** – विषय लेखन में पटुता उत्पन्न करना। **CO2** – प्रस्तुतीकरण के समय प्रश्नोत्तर रूप में वाद–विवाद दक्षता एवं तर्क चातुर्य का विकास।
	Course – S.T.M. 405 Tutorials (वाग्व्यवहार) **CO1** – आधुनिक संस्कृत कविता के संकलन की प्रवृत्ति जगाना। **CO2** – आधुनिक संस्कृत काव्य पाठ की शैलियों से अवगत कराना।
	Course – S.T.M. 501 संस्कृत में वैज्ञानिक प्रवृत्तियाँ **CO1** – वैदिक सूक्तों द्वारा पर्यावरण संरक्षण का सन्देश। **CO2** – प्राचीन काल में भूकम्प आदि के ज्ञान की विधि से परिचित कराना। **CO3** – प्राचीन गणित, वास्तु आदि का वर्तमान में उपयोग कर लाभान्वित होना।
	Course – S.T.M. 502 लौकिक साहित्य गद्य एवं चम्पू काव्य

	CO1 – संस्कृत गद्य एवं चम्पू परम्परा से परिचित कराते हुए तद्गत काव्य सौन्दर्य का ज्ञान कराना। **CO2** – उत्कीर्ण प्राचीन अभिलेखों के माध्यम से तत्कालीन भाषा, संस्कृति एवं सभ्यता से अवगत कराना।
	Course – S.T.M. 503 संस्कृत व्याकरण **CO1** – भाषा में प्रचलित तद्धितान्त शब्दों के ज्ञान के साथ उन शब्दों के मूल में प्रचलित गोत्र, अपत्य आदि विशिष्ट अर्थ के साथ भूगोल और ऐतिह्य का ज्ञान। **CO2** – शब्द की नित्यता–अनित्यता आदि तथ्यों का विचार करते हुए व्याकरण के दार्शनिक पक्षों का ज्ञान कराना।
	Course – S.T.M. 504 भाषा–विज्ञान **CO1** – भाषा के विविध रूपों के ज्ञान के साथ उनमें अन्तर तथा प्रयोग विधि का ज्ञान कराना। **CO2** – विभिन्न भाषा परिवारों का ज्ञान कराते हुए ध्वनि नियमों से परिचित कराना। **CO3** – भाषा के संरचनात्मक एवं तुलनात्मक स्वरूप का ज्ञान।
	Course – S.T.M. 505 सत्रीय निबन्ध एवं मौखिकी **CO1** – विद्यार्थियों में विषय के तथ्यपूर्ण आकलन की शक्ति को विकसित करना। **CO2** – वाक्–कौशल की दक्षता को विकसित करना।
	Course – S.T.M. 601 उपनिषद् एवं दर्शन **CO1** – परम सत्य का ज्ञान कराना। **CO2** – व्यष्टिगत ज्ञान की अपेक्षा समष्टिगत विकास के महत्त्व से अवगत कराना। **CO3** – व्यक्तित्व का सम्पूर्णता के साथ विकास।
	Course – S.T.M. 602 लौकिक साहित्य – महाकाव्य एवं खण्ड काव्य **CO1** – तत्कालीन धर्म, समाज एवं सस्कृति का ज्ञान कराना। **CO2** – नैतिक मूल्यों का ज्ञान तथा युवापीढ़ी का इससे पथ–प्रदर्शन।
	Course – S.T.M. 603 साहित्य शास्त्र **CO1** – काव्य शास्त्र के परिचय के साथ काव्यभेद, शब्द शक्तियों आदि का ज्ञान तथा काव्य–प्रयोजन आदि का जीवन से सह–सम्बन्ध। **CO2** – काव्य–शास्त्र के शास्त्रीय पक्षों के ज्ञान द्वारा साहित्यगत प्रयोगों की समझ को छात्रों में विकसित करना।
	Course – S.T.M. 604 पालि एवं प्राकृत **CO1** – संस्कृत से पालि एवं प्राकृत–परम्परा के विकास का ज्ञान। **CO2** – पालि एवं प्राकृत धर्म एवं संस्कृति का ज्ञान।
	Course – S.T.M. 605 सत्रीय निबन्ध एवं मौखिकी **CO1** – विषयगत एवं प्रासंगिक विषय पर लेखन क्षमता को विकसित करना। **CO2** – आधुनिक तकनीक के साथ विषय का प्रस्तुतीकरण।

	Core Courses – Cultural Education (U.G.)
	PSO1– विद्यार्थियों में **बसुधैव कुटुम्बकम्** के संस्कार विकसित करना। **PSO2**– साम्प्रदायिक–सद्भाव, सहिष्णुता, राष्ट्रप्रेम एवं आदर्श नागरिक के गुण विकसित करना। **PSO3**– भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत जैसे गणित, आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, लिपिविज्ञान आदि से वर्तमान में लाभान्वित होना। **PSO4**– विद्यार्थियों को **भारतीय संस्कृति का विश्व को प्रदेय** से अवगत करना।
Course Outcomes	**CO1** – भारतीय संस्कृति की विशिष्टताओं का ज्ञान। **CO2** – सामाजिक संगठनों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का ज्ञान। **CO3** – संस्कृति के विविध पक्षों – शिक्षा, कला, मनोरंजन के साधन आदि का ज्ञान।

	Core Courses – Comparative Study of Religion (U.G.)
	PSO1– ईश्वर के पितृत्व और मानव–मात्र के भ्रातृत्व भाव को जागृत करना। **PSO2**– धर्म के कल्याणकारी एवं सार्वभौमिक रूप की स्थापना। **PSO3**– छात्रों को, सभी धर्मों में एक ही चेतना व्याप्त है, इसका अनुभव कराना। **PSO4**– धार्मिक इतिहास बोध।
Course Outcomes	**CO1** – धर्म के स्वरूप का ज्ञान कराना। **CO2** – भारत एवं भारतेतर विविध धर्मों का ज्ञान कराना। **CO3** – सभी धर्मों की बुनियादी एकता पर बल।

Programme Specific Outcomes	**M.A. Sanskrit (P.G)**
	PSO1– भारतीय संस्कृति में सदाचार, नैतिकता एवं जीवन–मूल्यों के विकास के साथ आदर्श नागरिक का जीवन–यापन। **PSO2–** भारतीय दर्शन के आस्तिक एवं नास्तिक स्वरूपों को समझकर स्वपथ निर्धारण की सोच विकसित करना। **PSO3–** संस्कृत भाषा की अत्याधुनिकता, व्यावहारिकता एवं संरचनात्मकता के ज्ञान से सृजनशील होना। **PSO4–** व्याकरणगत लौकिक शब्द ज्ञान से शब्द ब्रह्म तक का चिन्तन। **PSO5–** पर्यटन एवं गतिशील ज्ञान से जीवन में सामंजस्य बनाए रखना एवं रोजगार प्राप्ति के अवसर। **PSO6–** रंगमंच तथा अभिनय आदि के ज्ञान द्वारा आत्मानन्दानुभूति तथा रोजगार प्राप्ति के अवसर।
	Course – S.T.M. 701 काव्य शास्त्र तथा सौन्दर्य शास्त्र **CO1** – शब्द शक्तियों, गुण, दोष आदि शास्त्रीय तत्त्वों के ज्ञानपूर्वक साहित्य–संरचना की प्रवृत्ति जागृत करना। **CO2** – भारतीय एवं पाश्चात्य सौन्दर्य शास्त्र विषयक मानकों का ज्ञान तथा प्रयोग।
	Course – S.T.M. 702 लौकिक साहित्य–रूपक **CO1** – रूपक एवं उपरूपक विधाओं का ज्ञान एवं उनकी ऐतिहासिकता। **CO2** – तत्कालीन समाज, परम्पराओं एवं प्रथाओं का ज्ञान।
	Course – S.T.M. 703 भारतीय दर्शन सांख्य एवं योग **CO1** – विद्यार्थियों में शरीर, मन व बुद्धि की शुद्धि हेतु योगज वृत्तियों के ज्ञान से आध्यात्मिक विकास कराना। **CO2** – मानसिक तनाव मुक्ति का साधन।
	Course – S.T.M. 704 निबन्ध–व्याकरण एवं रचना **CO1** – छात्रों की भाषा–शुद्धि। **CO2** – शब्द संरचना का ज्ञान। **CO3** – वाक्य–विन्यास और उसके सूक्ष्म नियमों का ज्ञान तथा मौलिक चिन्तन। **CO4** – रचना–धर्मिता का विकास।
	Course – S.T.M. 705 स्वाध्ययन एवं सत्रीय निबन्ध **CO1** – मौलिक चिन्तन एवं लेखन की प्रवृत्ति उत्पन्न करना। **CO2** – विषय प्रस्तुतीकरण की दक्षता का विकास।
	Course – S.T.M. 706 भारतीय संस्कृति **CO1** – भारतीय संस्कृति में निहित नैतिक मूल्यों को आचरण में लाने का प्रयास। **CO2** – भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत जैसे लिपि, आयुर्वेद आदि का ज्ञान।

	Course – S.T.M. 801 सांस्कृतिक पर्यटन एवं तीर्थ स्थल **CO1** – हिन्दू, जैन, बौद्ध, सिक्खादि तीर्थ स्थलों में भ्रमण द्वारा एक ही परम तत्त्व के विविध रूपों के दर्शन। **CO2** – साम्प्रदायिक सद्भाव को प्रोत्साहन।
	Course – S.T.M. 802 पूर्व एवं उत्तर मीमांसा **CO1** – भौतिकता को समझते हुए पारलौकिकता की ओर उन्मुख होना। **CO2** – परम तत्त्व विषयक जिज्ञासा का शमन।
	Course – S.T.M. 803 रंगमंच एवं रस ध्वनि सिद्धान्त **CO1** – रस–ध्वनि आदि शास्त्रीय पक्षों के ज्ञान के साथ प्रयोग क्षमता का विकास। **CO2** – नाट्य रस से **रसो वै सः** तक का चिन्तन।
	Course – S.T.M. 804 धर्मशास्त्र **CO1** – आचार व्यवहार एवं प्रायश्चित्त का ज्ञान। **CO2** – प्राचीन न्याय–व्यवस्था का ज्ञान एवं हिन्दू विधि को उसका प्रदेय।
	Course – S.T.M. 805 स्वाध्ययन एवं सत्रीय निबन्ध **CO1** – अधीत विषय का यथेष्ट लेखन। **CO2** – अभिव्यक्ति क्षमता तथा परिसंवाद–पात्रता का विकास।
	Course – S.T.M. 806 चार्वाक, बौद्ध और आर्हत दर्शन **CO1** – तार्किक एवं बौद्धिक क्षमता का विकास। **CO2** – भौतिकता के साथ पारलौकिकता को समझना।

	Course – S.T.M. 001 Research Methodology **CO1** – आंकड़ों के संश्लेषण एवं विश्लेषणादि का ज्ञान। **CO2** – शोध के शास्त्रीय मानकों का ज्ञान।
	Course – S.T.M. 002 लघु शोध–विषयक पूर्वाध्ययन **CO1** – शोध मानकों के अनुसार अध्ययन की प्रवृत्ति उत्पन्न करना। **CO2** – रूपरेखा लेखन एवं प्रस्तुतीकरण की दक्षता उत्पन्न करना।
	Course – S.T.M. 901 लघु शोध प्रबन्ध **CO1** – विद्यार्थी की शोध–क्षमता का प्रयोग। **CO2** – लघु शोध प्रबन्ध द्वारा शोध के क्षेत्र में योगदान।
	Course – S.T.M. 902 संस्कृत में नवीन प्रयोग गद्य **CO1** – संस्कृत पत्रकारिता तथा व्यंग्य आदि के क्षेत्र में विविध प्रयोग। **CO2** – संस्कृत भाषा की संरचनात्मकता का ज्ञान।
	Course – S.T.M. 903 संस्कृत में नवीन प्रयोग पद्य **CO1** – आधुनिक संस्कृत काव्यों में नवीन प्रयोगों का ज्ञान। **CO2** – आधुनिक काव्य विधा में भाषा के संरचनात्मक स्वरूप का ज्ञान
	Course – S.T.M. 904 व्याकरण, काशिका एवं सिद्धान्त कौमुदी **CO1** – व्याकरण के शास्त्रीय पक्ष का ज्ञान।

	CO2 – परस्मैपद के साथ आत्मनेपद का ज्ञान
	Course – S.T.M. 905 व्याकरण, दर्शन एवं इतिहास **CO1** – स्फोटवाद (बिग बैंग) का ज्ञान। **CO2** – शब्द ब्रह्म का ज्ञान।

Programme Specific Outcomes	**M.Phil & Pre Ph.D Course Work**
	PSO1– अप्रकाशित विषय का प्रकाशन। **PSO2**– तर्क पूर्ण एवं मौलिक चिन्तन **PSO3**– शोध के क्षेत्र में नवीन दिशा–बोध। **PSO4**– शोध हेतु नवीन संभावनाएं।
Course Outcomes	**Course – S.T.M. 951 Dissertation I** **CO1** – विषय चयन से शोध–प्रतिभा का ज्ञान। **CO2** – रूपरेखा–निर्माण में संकलन विश्लेषणादि का ज्ञान।
	Course – S.T.M. 952 Dissertation II **CO1** – नवीन विषय की स्थापना। **CO2** – शोधार्थियों को मौलिक प्रदेय।
	Course – S.T.M. 953 Self Study Course **CO1** – तार्किक एवं बौद्धिक–क्षमता का विकास। **CO2** – लेखन–सामर्थ्य का विस्तार। **CO3** – विषय प्रस्तुतीकरण की क्षमता का विकास।
	Course – S.T.M. 954 Advance Research Methodology Analysis **CO1** – शोध हेतु शोध के मानकों का ज्ञान। **CO2** – शोध में नवीनतम तकनीक के प्रयोग से लाभान्वित होना।
	Course – S.T.M. 955 भाषा का संरचनात्मक स्वरूप **CO1** – संस्कृत गद्य एवं पद्य में राष्ट्रिय एवं अन्तर्राष्ट्रिय नवीन प्रयोगों का ज्ञान। **CO2** – संस्कृत भाषा की अत्याधुनिकता, व्यावहारिकता एवं संरचनात्मकता का ज्ञान।

Programme Specific Outcomes	**Integrated Programme in Theology (P.G.D.T., M.A. & M.Phil)**
	PSO1– धर्म एवं विज्ञान प्रविधि का परम्परागत एवं आधुनिक विधि से ज्ञान। **PSO2**– मानव–जाति के मूलभूत सिद्धान्तों को आत्मसात् करते हुए अपनी चेतना को जागृत करना। **PSO3**– धर्म के सार्वभौमिक एवं मंगलकारी रूप की स्थापना के साथ उच्चतम चेतन मण्डल में पहुँचने की सोच विकसित करना।
Course Outcomes	**Course – T.H.D. 101 – Methodology of Science of Religion** **CO1** – धर्म का वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन। **CO2** – धार्मिक–इतिहास–बोध।
	Course – T.H.D. 102 – World Religion I

	CO1 – सभी धर्मों की बुनियादी एकता पर बल। **CO2** – धार्मिक इतिहास बोध।
	Course – T.H.D. 103 – Sant Mat Religion of Saints I **CO1** – सन्त वचनों एवं आदर्शों द्वारा जन–सामान्य को कृत्रिमता विहीन भक्ति के सच्चे पथ पर अग्रसर करना। **CO2** – समाज के सभी वर्गों को सन्त मत की उपासना का अधिकार।
	Course – T.H.D. 104 – Self Study **CO1** – अधीत विषय का यथेष्ट लेखन। **CO2** – अभिव्यक्ति क्षमता तथा प्रश्नोत्तर क्षमता का विकास।
	Course – T.H.D. 105 – Project I **CO1** – विषय चयन हेतु पुस्तकालय, इन्टरनेट आदि का सर्वेक्षण। **CO2**– रूपरेखा–निर्माण हेतु अध्ययन।
	Course – T.H.D. 201 – Study of Religion **CO1** – धर्म के वैज्ञानिक, दार्शनिक एवं प्रतीकात्मक स्वरूप का ज्ञान। **CO2**– सभी धर्मों के मूल में विद्यमान आचार–शास्त्र से व्यक्तित्व विकास।
	Course – T.H.D. 202 – World Religion II **CO1** – एक ही शक्ति के किसी भी रूप की उपासना की प्रेरणा। **CO2**– विश्व–मानव–समाज को एक परिवार की परिधि में समेटना। **CO3**– भारतीय धर्म–शाखाओं के साथ ही भारत में विलयित भारतेतर धर्म शाखाओं जैसे फारसी, यहूदी, ईसाई, इस्लाम आदि का ज्ञान।
	Course – T.H.D. 203 – Sant Mat Religion of Saints II **CO1** – आडम्बर विहीन आदर्श–समाज की स्थापना। **CO2**– धर्म के रहस्यात्मक स्वरूप का ज्ञान।
	Course – T.H.D. 204 – Self Study **CO1** – मौलिकता का प्रकाशन। **CO2**– विषय प्रस्तुतीकरण में आत्मविश्वास पूर्वक ज्ञान का प्रदर्शन।
	Course – T.H.D. 205 – Project II **CO1** – शोध के नवीन आयाम की संस्थापना। **CO2**– शोध के क्षेत्र में मौलिक प्रदेय।
	Course – T.H.M. 301 – Shodha Pravidhi **CO1** – शोध के शास्त्रीय तत्वों का ज्ञान। **CO2**– रीजनिंग (Reasoning), कॉपीराइट (Copyright) आदि का ज्ञान।
	Course – T.H.M. 302 – Pre-Dissertation **CO1** – पूर्व निर्धारित विषय पर रूपरेखा तैयार करना। **CO2**– रूपरेखा हेतु विषय का अध्ययन।
	Course – T.H.M. 401 – Advance Study Vedant and Sant Mat **CO1** – वेदान्त एवं सन्तमत के मूलभूत सिद्धान्तों का ज्ञान। **CO2**– विविध चेतन मण्डलों का ज्ञान।
	Course – T.H.M. 402 – Advance Study Christianity and Islam **CO1** – मसीही, मुस्लिम एवं सूफी सन्तों की विचारधाराओं से समाज सुधार के प्रयासों से अवगत कराना। **CO2**– सभी सन्तों के बचनों से अन्तः परिवर्तन का प्रयास।

	Course – T.H.M. 403 – Dissertation **CO1** – शोध द्वारा अपनी मौलिक सामर्थ्य की संस्थापना। **CO2**– धर्म–विज्ञान के क्षेत्र में नवीन प्रदेय।
	Course – T.H.M. 501 – Religious Phen. and Unity of Religions **CO1** – जन्म–मृत्यु एवं सृष्टि प्रक्रिया का ज्ञान कराना। **CO2**– धर्म वैविध्य में एक ही परम सत्ता का आभास कराना।
	Course – T.H.M. 502 – Spiritual Consciousness **CO1** – धर्म, विज्ञान, दर्शन तथा मनोविज्ञानादि की दृष्टि से चेतना के यथार्थ स्वरूप का ज्ञान। **CO2**– चेतना के रूपान्तरण के ज्ञान के साथ देह रूप में चेतना का ज्ञान। **CO3**– योग आसन ध्यान आदि द्वारा चेतना में लय का प्रयास।
	Course – T.H.M. 503 – Self Study **CO1** – पुस्तकालय, इन्टरनेट आदि की सहायता से विषय लेखन। **CO2**– लिखित विषय के प्रस्तुतीकरण में प्रतिभा का प्रदर्शन।
	Course – T.H.M. 504 – Dissertation I **CO1** – लघु शोध प्रबन्ध हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम का अध्ययन। **CO2**– शोध के मानकों का ज्ञान।
	Course – T.H.M. 601 – Dissertation II **CO1** – मौलिक शोध की स्थापना। **CO2**–शोध के क्षेत्र में नवीन दिशा निर्धारण।